Ministry of Culture
Government of India

आज़ादी का अमृत महोत्सव

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

साहित्य अकादेमी द्वारा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित

प्रसिद्ध स्पेनिश कवि और लेखक लुईस गार्सिया मोंटेरो ने प्रस्तुत की अपनी कविताएं

नई दिल्ली 07 जुलाई 2022। साहित्य अकादेमी ने अपने प्रतिष्ठित "सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम" में स्पेन के लोकप्रिय कवि और लेखक प्रोफेसर लुईस गार्सिया मोंटेरो को आमंत्रित किया। प्रख्यात स्पानी विद्वान, प्रोफ़ेसर,स्पानी साहित्य , ग्रनाडा विश्वविद्यालय और सर्वांतेस इंस्टीट्यूट , मेड्रिड के महानिदेशक लुईस गार्सिया मोंटेरो का स्वागत करते हुए साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव ने कहा कि उनकी कविताओं का विषय इतिहास केंद्रित है और वे उन लेखकों की पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जो 80 के दशक में सक्रिय थी । उन्होंने आगे कहा कि साहित्य अकादेमी विचारों के आदान-प्रदान से न केवल परिवर्तन को प्रेरित करती है बल्कि लीक से हटकर सोचने को भी प्रेरित करती है। वे सांस्कृतिक प्रहारों को भी कम करते हैं और कट्टरता और छुपी हुई सोच के प्रवेश को भी रोकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि साहित्य अकादेमी सांस्कृतिक आदान-प्रदान के महत्व और आवश्यकता के प्रति सचेत रही है और पिछले तीन दशकों से विभिन्न सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों का भी आयोजन करती रही है।

प्रो. लुईस गार्सिया मोंटेरो ने अपने वक्तव्य में मिगुएल डे सर्वैंटेस के स्पेनिश क्लासिक डॉन क्विक्सोट का उल्लेख करते हुए उन पात्रों की चर्चा की, जो उनकी कविता के मुख्य विषय हैं और जो आज के समाज की वास्तविकताओं को दर्शाते हैं। उन्होंने स्पेनिश में तीन कविताओं का पाठ किया, जिनके अंग्रेजी और बांग्ला में अनुवाद पढ़े गए। उनके पाठ के बाद उपस्थित श्रोताओं से बातचीत हुई। एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति से संवाद करना चाहिए और उसका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि उनका मकसद अपनी कविताओं के जरिए आम आदमी तक पहुंचना है.

सिक्किम के पूर्व राज्यपाल डॉ. बी.पी. सिंह ने हिमालय क्षेत्र की दो मुख्य जनजातियों भूटिया और लेप्चा की संस्कृति और रीति-रिवाजों के साथ अपने अनुभव साझा किए, और उन्हें लुइस गार्सिया की कविता की प्रकृति के साथ सहसंबंधित किया। उन्होंने कार्यक्रम के प्रारंभ में साहित्य अकादेमी की तरफ से प्रो लुइस गार्सिया मोंटेरो को सम्मानित किया। कार्यक्रम में श्री जोस मारिया रिडनो, स्पेन के राजदूत, प्रो. ऑस्कर पुजोल, प्रोफेसर एस.पी. गांगुली, विभिन्न लैटिन अमेरिकी देश के दूतावासों के राजनयिक, प्रतिष्ठित भारतीय लेखक- श्री बिंदेश्वर पाठक, श्री सुदीप सेन, श्री गिरधर राठी, श्रीमती ममता कालिया, श्री अभय मौर्य, श्री प्रबल बसु, श्रीमती मंदिरा घोष, श्री गौरी शंकर रैना, श्री मोहन हिमथानी, सुश्री आकांक्षा पारे काशिव, श्री आशुतोष भारद्वाज, श्रीमती सुमन केशरी, श्री अमरेन्द्र खटुआ, श्री जी.जे.वी प्रसाद और श्री प्रणव खुल्लर सहित अनेक विद्वान, पत्रकार और साहित्य प्रेमी शामिल थे।

के . श्रीनिवासराव